गोकुल में शोर मचाया श्याम मटकी फोड़ने आया

गोकुल में, शोर मचाया,
श्याम, मटकी, फोड़ने आया ॥

कभी, गोर्वधन, गिरधारी है ।
कभी, चक्र, सुर्दशन धारी है ॥
वो तो, रूप, बदल कर आया है,
श्याम, मटकी, फोड़ने आया ।
गोकुल में, शोर मचाया...

कभी, दही, चुराकर खाता है ।
कभी, माखन, वो ले जाता है ॥
वो तो, गईया, चराने आया है,
श्याम, मटकी, फोड़ने आया ।
गोकुल में, शोर मचाया...

वो तो, ग्वाल, बाल संग लाया है ।
उसने, ही रची, सब माया है ।
वो तो, प्रेम, सिखाने आया है,
श्याम, मटकी, फोड़ने आया ।
गोकुल में, शोर मचाया...

छोटे, हाथो में, मुरली साजे ।
पांव मे, उसके, घुघरू बाजे ॥
वो तो, रास, रचाने आया है,
श्याम, मटकी, फोड़ने आया ।
गोकुल में, शोर मचाया...

अपलोडर- अनिलरामूर्तिभोपाल

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33897/title/gokul-mein-shor-machaya-Shyam-matki-fodne-aaya

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |